One Day National Level Awareness cum Training on "Scientific Methods of Integrated Fish Farming" in Puthimari Village, Assam

One Day National Level Awareness cum Training on "Scientific Methods of Integrated Fish Farming" was organized by ICAR-CIFE, Mumbai on 03-02-2025 at Moirambhitha Shuba, Puthimari Village, Bajali, Assam in association with Department of Fishery, Bajali, Assam. 300 SC farmers and fishermen from the village including women rural farmers participated in the program. The program was conducted under the SCSP program of ICAR-CIFE, Mumbai in order to empower the rural SC farmers of the Northeast region. Various distinguished dignitaries including Assam Gaurav Mr. Debajit Barman, DFDO Bajali, DFDO, Barpeta, DFDO Kokrajar, KVK Program Co-ordinator, Howli, Gram Pradhan of Puthimari village, Retd. Principal the locality and several FDO from the Department of Fishery, Govt. of Assam participated and graced the program. The program was also briefed to the Hon'ble Minister of Fisheries, Govt. of Assam Shri Krishnendu Pal who has appreciated the awareness initiatives taken by ICAR-CIFE, Mumbai and the Department of Fishery, Bajali, Assam to provide scientific knowledge of fish farming to the rural farmers of Bajali, Assam. A handbook in Assamese was also published and released on the occasion for the benefit of multiple stakeholders. A quiz competition was also organized among the villagers to boost the interest on the subject in local vernacular language on the subject of fisheries. The program was co-ordinated by Dr. Debajit Sarma, Principal Scientist and Head, Division of Aquaculture, ICAR-CIFE, Mumbai.

असम के पुथिमारी गांव में "समन्वित मत्स्य पालन के वैज्ञानिक तरीकों" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की जागरूकता सह प्रशिक्षण

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं, मुंबई द्वारा दिनांक 03-02-2025 को मोइरांभिता शुबा, पुथिमारी गांव, बाजाली, असम में मत्स्य विभाग, बाजाली, असम के सहयोग से "समन्वित मत्स्य पालन के वैज्ञानिक तरीकों" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की जागरूकता सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला ग्रामीण किसानों सहित गांव के 300 एससी किसानों और मछुआरों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र के ग्रामीण एससी किसानों को सशक्त बनाने के लिए भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं, मुंबई के एससीएसपी कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। असम गौरव श्री देबजीत बर्मन, डीएफडीओ बाजाली, डीएफडीओ, बारपेटा, डीएफडीओ कोकराजार, केवीके कार्यक्रम समन्वयक, हाउली, पुथिमारी गांव के ग्राम प्रधान, सेवानिवृत्त सहित विभिन्न प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। स्थानीय लोगों के प्रधान और मत्स्य विभाग, असम सरकार के कई एफडीओ ने कार्यक्रम में भाग लिया और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की जानकारी असम सरकार के माननीय मत्स्य मंत्री श्री कृष्णेंदु पाल को भी दी

गई, जिन्होंने असम के बाजाली के ग्रामीण किसानों को मछली पालन का वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करने के लिए भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं, मुंबई और मत्स्य विभाग, बाजाली, असम द्वारा की गई जागरूकता पहल की सराहना की है। इस अवसर पर कई हितधारकों के लाभ के लिए असमिया में एक पुस्तिका भी प्रकाशित और जारी की गई। मत्स्य पालन के विषय पर स्थानीय स्थानीय भाषा में विषय पर रुचि बढ़ाने के लिए ग्रामीणों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. देबजीत सरमा, विभागाध्यक्ष , जलीय कृषि विभाग, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं , मुंबई द्वारा किया गया।

One Day National Level Awareness cum Training Programme on Scientific Methods of Integrated Fish Farming ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai &	